

# August Prayer Schedule for Kalamazoo

| Day | Islamic Year<br>1445 H | 2023<br>Date | Fajr  | Sunrise | Dhuhr | Asr   | Maghrib | Isha   |
|-----|------------------------|--------------|-------|---------|-------|-------|---------|--------|
| Tue | Muharram 14            | 1-Aug        | 5:14a | 6:35a   | 1:54p | 5:46p | 9:05p   | 10:26p |
| Wed | 15                     | 2-Aug        | 5:14a | 6:36a   | 1:54p | 5:45p | 9:04p   | 10:25p |
| Thu | 16                     | 3-Aug        | 5:15a | 6:37a   | 1:54p | 5:45p | 9:02p   | 10:24p |
| Fri | 17                     | 4-Aug        | 5:16a | 6:38a   | 1:53p | 5:44p | 9:01p   | 10:24p |
| Sat | 18                     | 5-Aug        | 5:16a | 6:39a   | 1:53p | 5:44p | 9:00p   | 10:23p |
| Sun | 19                     | 6-Aug        | 5:17a | 6:40a   | 1:53p | 5:43p | 8:59p   | 10:22p |
| Mon | 20                     | 7-Aug        | 5:18a | 6:41a   | 1:53p | 5:43p | 8:57p   | 10:21p |
| Tue | 21                     | 8-Aug        | 5:19a | 6:42a   | 1:53p | 5:42p | 8:56p   | 10:20p |
| Wed | 22                     | 9-Aug        | 5:19a | 6:43a   | 1:53p | 5:42p | 8:55p   | 10:19p |
| Thu | 23                     | 10-Aug       | 5:20a | 6:44a   | 1:53p | 5:41p | 8:53p   | 10:18p |
| Fri | 24                     | 11-Aug       | 5:21a | 6:45a   | 1:53p | 5:40p | 8:52p   | 10:17p |
| Sat | 25                     | 12-Aug       | 5:21a | 6:46a   | 1:52p | 5:40p | 8:51p   | 10:16p |
| Sun | 26                     | 13-Aug       | 5:22a | 6:48a   | 1:52p | 5:39p | 8:49p   | 10:15p |
| Mon | 27                     | 14-Aug       | 5:23a | 6:49a   | 1:52p | 5:38p | 8:48p   | 10:14p |
| Tue | 28                     | 15-Aug       | 5:23a | 6:50a   | 1:52p | 5:38p | 8:46p   | 10:13p |
| Wed | 29                     | 16-Aug       | 5:24a | 6:51a   | 1:52p | 5:37p | 8:45p   | 10:11p |
| Thu | 30                     | 17-Aug       | 5:25a | 6:52a   | 1:51p | 5:36p | 8:43p   | 10:10p |
| Fri | Safar 1                | 18-Aug       | 5:26a | 6:53a   | 1:51p | 5:36p | 8:42p   | 10:09p |
| Sat | 2                      | 19-Aug       | 5:26a | 6:54a   | 1:51p | 5:35p | 8:40p   | 10:08p |
| Sun | 3                      | 20-Aug       | 5:27a | 6:55a   | 1:51p | 5:34p | 8:39p   | 10:07p |
| Mon | 4                      | 21-Aug       | 5:28a | 6:56a   | 1:50p | 5:33p | 8:37p   | 10:06p |
| Tue | 5                      | 22-Aug       | 5:28a | 6:57a   | 1:50p | 5:32p | 8:36p   | 10:04p |
| Wed | 6                      | 23-Aug       | 5:29a | 6:58a   | 1:50p | 5:32p | 8:34p   | 10:03p |
| Thu | 7                      | 24-Aug       | 5:30a | 6:59a   | 1:50p | 5:31p | 8:33p   | 10:02p |
| Fri | 8                      | 25-Aug       | 5:30a | 7:00a   | 1:49p | 5:30p | 8:31p   | 10:01p |
| Sat | 9                      | 26-Aug       | 5:31a | 7:01a   | 1:49p | 5:29p | 8:29p   | 10:00p |
| Sun | 10                     | 27-Aug       | 5:32a | 7:02a   | 1:49p | 5:28p | 8:28p   | 9:58p  |
| Mon | 11                     | 28-Aug       | 5:32a | 7:03a   | 1:48p | 5:27p | 8:26p   | 9:57p  |
| Tue | 12                     | 29-Aug       | 5:33a | 7:04a   | 1:48p | 5:26p | 8:24p   | 9:56p  |
| Wed | 13                     | 30-Aug       | 5:34a | 7:05a   | 1:48p | 5:25p | 8:23p   | 9:55p  |
| Thu | 14                     | 31-Aug       | 5:34a | 7:06a   | 1:48p | 5:24p | 8:21p   | 9:53p  |

| Iqamah at KIC  |       | Fajr   |  | Dhur   | Asr  | Maghrib               | Isha    |
|--|-------|--|--|--------|--|-----------------------|---------|
| August   | 1-15  | 5:50AM   |  | 2:00PM | 6:00PM   | 10 Min.<br>After Azan | 10:30PM |
| August   | 16-31 | 6:00AM   |  | 2:00PM | 5:45PM   |                       | 10:15PM |
| Jumma at KIC<br>Khutbah at 1:30 PM<br>1520 W Mich. Kalamazoo |       | Jumma at KIS<br>Khutbah at 2:00 PM<br>805 E Osterhout, Portage |  |        | 2nd Jumma at KIC<br>Khutbah at 3:30 PM<br>1520 W Mich. Ave, Kalamzoo |                       |         |

## Hadith of the Month - a Prophetic Dua (invocation) for all of us

The Messenger of Allah said, "a superstitious statement and/or attributing life events to other than Allah is Shirk."

For its remedy and expiation he taught us this duaa:

**Allāhumma lā ṭayra illā ṭayruk, wa lā khayra illā khayruk, wa lā ilāha ghayruk.**

O Allah there is no portent other than Your portent, no goodness other than Your goodness, And  
there is none worthy of worship other than You.